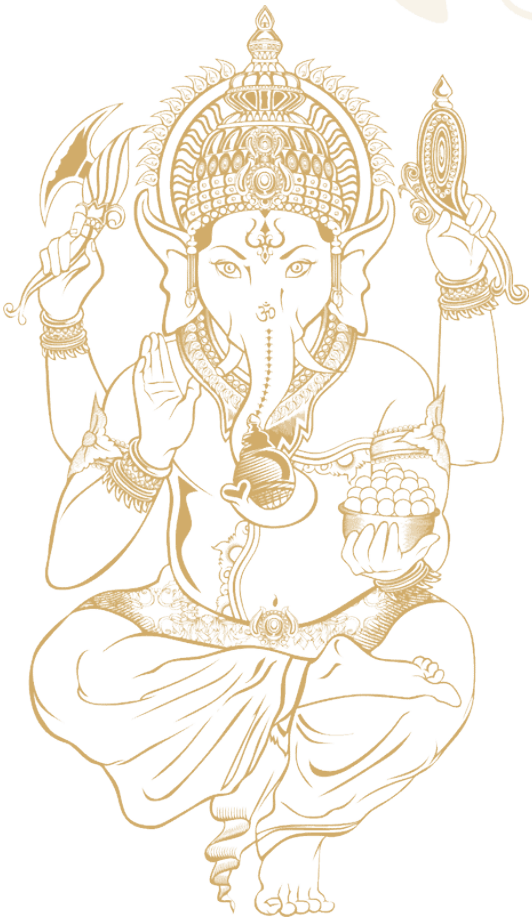

Mr. Nishant

Ms. Sakshi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119282101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119282101 Date: 30/08/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/11/1997	जन्म तिथि	29/09/1997
रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 19:25:00	जन्म समय	12:55:00 घंटे
घटी 31:46:35	जन्म समय(घटी)	16:13:50 घटी
India	देश	India
Kankroli	स्थान	Bhilwara
25:03:00 उत्तर	अक्षांश	25:23:00 उत्तर
73:58:00 पूर्व	रेखांश	74:39:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:08	स्थानिक संस्कार	-00:31:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:42:22	सूर्योदय	06:22:47
17:52:57	सूर्यास्त	18:20:21
23:49:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:28

वृष	लग्न	धनु
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
वृश्चिक	राशि	सिंह
मंगल	राशि-स्वामी	सूर्य
अनुराधा	नक्षत्र	पू०फाल्गुनी
शनि	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
3	चरण	1
शोभन	योग	शुभ
तैतिल	करण	वणिज
नू-नूर	जन्म नामाक्षर	मो-मोहिनी
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
विप्र	वर्ण	क्षत्रिय
कीटक	वश्य	वनचर
मृग	योनि	मूषक
देव	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	मध्य
सर्प	वर्ग	मूषक

Pandit Srinivas Srimali, Pandit Jitendra Srimali
No. 130, Mint Street, 3rd floor, Sowcarpet, chennai - 600079
9884182821, 9841085352
Jksrimali27@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 7वर्ष 10मा 1दि		13:11:30	वृष	लग्न	धनु	08:08:09	शुक्र 15वर्ष 3मा 14दि	
केतु		16:21:24	तुला	सूर्य	कन्या	12:21:54	चन्द्र	
04/09/2022		11:10:00	वृश्चि	चंद्र	सिंह	16:28:27	13/01/2019	
04/09/2029		01:11:56	धनु	मंगल	वृश्चि	06:26:20	12/01/2029	
केतु	31/01/2023	28:25:05	तुला	बुध	कन्या	00:56:10	चन्द्र	13/11/2019
शुक्र	02/04/2024	19:18:59	मक	गुरु व	मक	18:23:58	मंगल	13/06/2020
सूर्य	07/08/2024	03:20:28	धनु	शुक्र	तुला	25:58:49	राहु	13/12/2021
चन्द्र	08/03/2025	21:19:31	मीन व	शनि व	मीन	23:56:00	गुरु	14/04/2023
मंगल	05/08/2025	24:36:11	सिंह व	राहु	सिंह	25:57:16	शनि	12/11/2024
राहु	23/08/2026	24:36:11	कुंभ व	केतु	कुंभ	25:57:16	बुध	14/04/2026
गुरु	30/07/2027	11:04:00	मक	हर्ष व	मक	11:00:26	केतु	13/11/2026
शनि	07/09/2028	03:31:19	मक	नेप व	मक	03:22:56	शुक्र	14/07/2028
बुध	04/09/2029	10:40:45	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:36:15	सूर्य	12/01/2029

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:31 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:28

लग्न-चलित

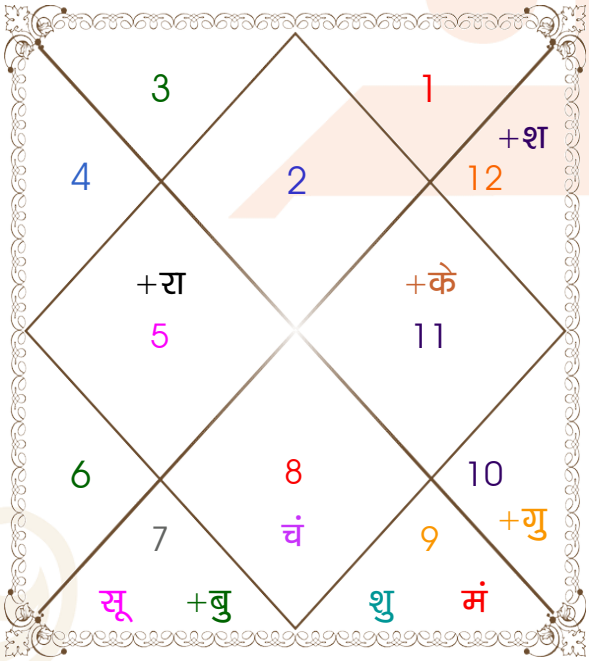

लग्न-चलित

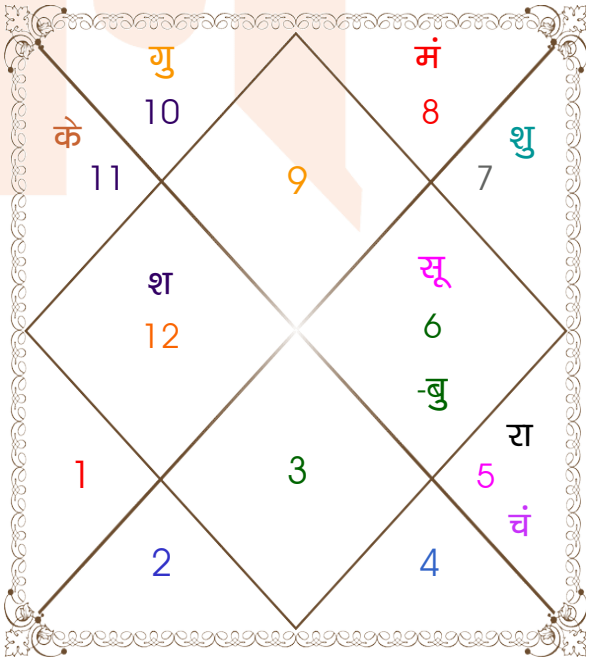

Pandit Srinivas Srimali, Pandit Jitendra Srimali
No. 130, Mint Street, 3rd floor, Sowcarpet, chennai - 600079
9884182821, 9841085352
Jksrimali27@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

कुल : **22.5 / 36**

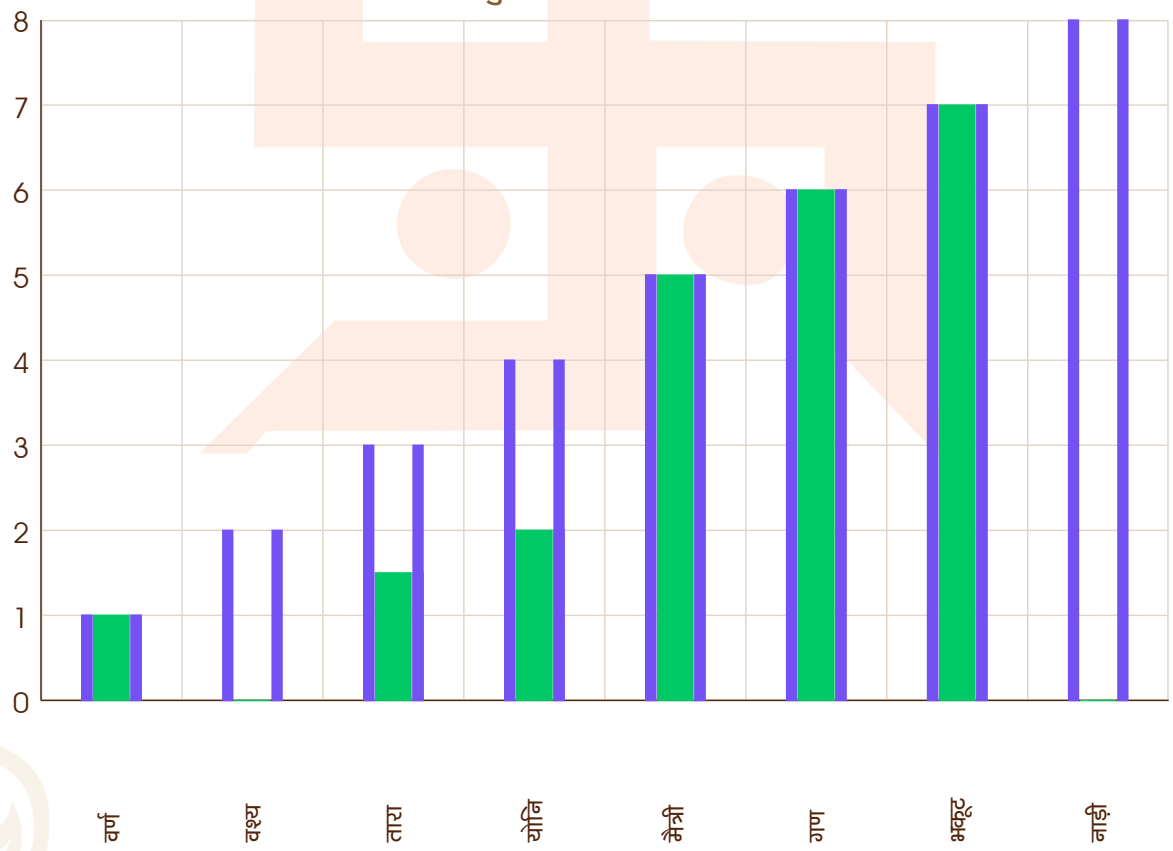

Pandit Srinivas Srimali, Pandit Jitendra Srimali
No. 130, Mint Street, 3rd floor, Sowcarpet, chennai - 600079
9884182821, 9841085352
Jksrimali27@gmail.com

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

डतण छर्पोंदज का वर्ग सर्प है तथा Ms. Sakshi का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण छर्पोंदज और Ms. Sakshi का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण छर्पोंदज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Ms. Sakshi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. Sakshi कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्थ;थ्डम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल Ms. Sakshi कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण छर्पोंदज कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण छर्पोंदज तथा Ms. Sakshi में मंगलीक मिलान ठीक है।

Pandit Srinivas Srimali, Pandit Jitendra Srimali
No. 130, Mint Street, 3rd floor, Sowcarpet, chennai - 600079
9884182821, 9841085352
Jksrimali27@gmail.com

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Pandit Srinivas Srimali, Pandit Jitendra Srimali
No. 130, Mint Street, 3rd floor, Sowcarpet, chennai - 600079
9884182821, 9841085352
Jksrimali27@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण छर्पोंदज का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms. Sakshi का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से Ms. Sakshi में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर Ms. Sakshi आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। Ms. Sakshi सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेंगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

वश्य

डतण छर्पोंदज का वश्य कीट है एवं Ms. Sakshi का वश्य वनचर है। जिसके कारण यह मिलान खराब मिलान है। कीट डतण छर्पोंदज एवं वनचर Ms. Sakshi के बीच किसी भी प्रकार की अनुकूलता एवं तालमेल नहीं हो सकता है। अतः दोनों के बीच शत्रुता की भावना रह सकती है तथा इनका अधिकांश समय आपस में लड़ने-झगड़ने, शिकवा-शिकायत, आरोप-प्रत्यारोप करने तथा परस्पर वार करने में गुजर जायेगा। इनका जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है तथा परिवार की सुख-शांति नष्ट हो सकती है। इनके बच्चे भी नाकामयाब तथा आक्रामक हो सकते हैं।

तारा

डतण छर्पोंदज की तारा वध तथा Ms. Sakshi की तारा क्षेम है। डतण छर्पोंदज की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। डतण छर्पोंदज बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। डतण छर्पोंदज को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Ms. Sakshi लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

डतण छर्पोंदज की योनि मृग है तथा Ms. Sakshi की योनि मूषक है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या

कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण छर्पोंदज एवं Ms. Sakshi दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि डतण छर्पोंदज एवं Ms. Sakshi के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण डतण छर्पोंदज एवं Ms. Sakshi जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

डतण छर्पोंदज का गण देव तथा Ms. Sakshi का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Ms. Sakshi अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

डतण छर्पोंदज से Ms. Sakshi की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Ms. Sakshi से डतण छर्पोंदज की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण डतण छर्पोंदज एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। Ms. Sakshi को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Ms. Sakshi हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

डतण छर्पोंदज की नाड़ी मध्य है तथा Ms. Sakshi की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में डतण छर्पोंदज एवं Ms. Sakshi का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण छर्पोंदज की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा Ms. Sakshi की अग्नि तत्व युक्त सिंह राशि है। जल एवं अग्नि तत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण डतण छर्पोंदज और Ms. Sakshi के मध्य स्वभावगत विषमताएं रहेंगी परन्तु परस्पर सामंजस्य स्थापित करके अनुकूल जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे। अतः मिलान सामान्य रहेगा।

डतण छर्पोंदज की राशि का स्वामी मंगल तथा Ms. Sakshi की राशि का स्वामी सूर्य परस्पर मित्र राशियों में स्थित है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति उत्तम रहेगी। इसके प्रभाव से डतण छर्पोंदज और Ms. Sakshi के मध्य परस्पर प्रेम सहानुभूति तथा समर्पण का भाव होगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही सच्चे मित्र की भांति परस्पर गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा एक दूसरे की कमियों की उपेक्षा करेंगे। इसके प्रभाव से दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा तथा संबंधों में भी मधुरता बनी रहेगी।

डतण छर्पोंदज और Ms. Sakshi की राशियां परस्पर दशम एवं चतुर्थ भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से दोनों के अंदर प्रबल सामंजस्य की प्रवृति रहेगी तथा दाम्पत्य संबंधों में मधुरता बनाए रखने में समर्थ होंगे। वे एक दूसरे के अस्तित्व का पूर्ण सम्मान करेंगे एवं परस्पर कार्य कलापों में हस्तक्षेप कम ही करेंगे फलतः एक दूसरे के प्रति विश्वास तथा आदर का भाव रहेगा जिससे वैवाहिक जीवन की सार्थकता तथा मधुरता बनी रहेगी।

डतण छर्पोंदज का वश्य कीट तथा Ms. Sakshi का वश्य वनचर है। नैसर्गिक रूप से कीट एवं वनचर में विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में असमानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर भी विषमताताएं होंगी। तथा एक दूसरे को दाम्पत्य संबधों में प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

डतण छर्पोंदज का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms. Sakshi का वर्ण क्षत्रिय है। अतः डतण छर्पोंदज की प्रवृति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्य कलापों के प्रति रहेगी तथा Ms. Sakshi पराक्रमी तथा साहसिक कार्यो को सम्पन्न करेंगी फलतः इनकी कार्य क्षेत्र में सुदृढ़ता बनी रहेगी।

धन

डतण छर्पोंदज और Ms. Sakshi की आर्थिक स्थिति पर तारा तथा भकूट का कोई भी शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में वे समर्थ होंगे तथा उनके लाभ मार्ग भी नित्य प्रशस्त रहेंगे। लेकिन Ms. Sakshi पर मंगल का प्रभाव अच्छा नहीं रहेगा फलतः यदा कदा इनके द्वारा आर्थिक स्थिति में अल्प समय के लिए दम्पति को विषमता का आभास हो सकता है।

डतण छर्पोंदज की प्रवृति भी अनावश्यक व्यय करने की होगी तथा जुए या अन्य

व्यसनों में वे अधिक व्यय करेंगे अतः यदि वे ऐसी प्रवृतियों की उपेक्षा करें तथा बुद्धिमतापूर्वक उपार्जित धन को व्यय करें तो उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी तथा भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना जीवन आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में समर्थ हो सकेंगे।

स्वास्थ्य

डतण छर्पोंदज और Ms. Sakshi एक ही नाड़ी में उत्पन्न हुए है। अतः नाड़ी दोष का इन पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे इनको स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। साथ ही मंगल भी दोनों के स्वास्थ्य को प्रभावित करेगा जिससे वे रक्त एवं पित संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे। वे उदर संबंधी कष्ट से भी यदा कदा असुविधा प्राप्त करेंगे। मंगल के प्रभाव से भी इनका स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से पीड़ित रहेंगे एवं रक्तपित का भी प्रकोप रहेगा। साथ ही काम संबंधों में भी शिथिलता तथा उदासीनता के भाव से डतण छर्पोंदज और Ms. Sakshi असन्तुष्ट रहेंगे। अतः ऐसी स्थिति में विवाह नहीं करना चाहिए तथापि उपरोक्त फलों में न्यूनता के लिए हनुमानजी का पूजन तथा मंगलवार के उपवास करने से किंचित शुभता रहेगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण छर्पोंदज और Ms. Sakshi का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतण छर्पोंदज और Ms. Sakshi के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. Sakshi के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. Sakshi को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. Sakshi को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतण छर्पोंदज और Ms. Sakshi सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण छर्पोंदज और Ms. Sakshi का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. Sakshi के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Ms. Sakshi के लिए

अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Ms. Sakshi अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Ms. Sakshi के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

डतण छर्पोंदज के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को डतण छर्पोंदज अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी डतण छर्पोंदज के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण डतण छर्पोंदज के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।